

দলগত ক্ৰিয়া-কলাপৰ জৰিয়তে: নিম্ন প্ৰাথমিকৰ বিজ্ঞান শিকন

অসমীয়া (হিন্দীৰ সৈতে)

কমেন্টেৰী:

বহু শ্ৰেণীৰ প্ৰাথমিক স্কুল এখনত বেলেগ বেলেগ ভাষাৰ প্ৰায় নব্বৈজন ছাত্ৰ-ছাত্ৰীয়ে এজন শিক্ষকৰ ওচৰত পঢ়ে। এটা কোঠালিযুক্ত স্কুলখনৰ অসম্পূৰ্ণ বেৰখনে প্ৰথম আৰু দ্বিতীয় শ্ৰেণীৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলক বাকীবোৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ পৰা পৃথক কৰে। তৃতীয় শ্ৰেণীৰ দুটা শাৰী, চতুৰ্থ শ্ৰেণীৰ দুটা শাৰী আৰু পঞ্চম শ্ৰেণীৰ তিনিটা শাৰী একেটা স্থানতে বহে।

ইয়াত শিক্ষকজনে বিজ্ঞানৰ পাঠত দলীয় ক্ৰিয়া-কলাপৰ ব্যৱস্থা কৰিছে।

শিক্ষক: यह पाठ दिया हुआ है इस पाठ को आपको पढ़ना है और इसमें चित्र दिए हुए हैं, ये चित्र समझना है। आप चारों बच्चे पास-पास में...

কমেন্টেৰী:

তৃতীয়, চতুৰ্থ আৰু পঞ্চম শ্ৰেণীলৈ গৈ শিক্ষকজনে ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলৰ বিভিন্ন বিষয়বস্তুৰ বাবে প্ৰাৰম্ভিক দলীয় কাৰ্য প্ৰস্তুত কৰিছে।

শিক্ষক: कहाँ पर रह रही है, दिख रही है उसमें?

अब चौथी वाले बच्चे, हमारी बात ध्यान से सुनिए। कैसे पता चलता है आपको कि हवा है यहाँ पर? क्या यहाँ कमरे में आपको हवा दिख रही है?

শিক্ষার্থীসকল: नहीं

শিক্ষক: नहीं दिख रही है। कैसे पता चलता है आपको कि हवा है यहाँ पर?

শিক্ষার্থীসকল: Page हिल रहे हैं।

শিক্ষক: तो आप, जो जो आपको पता चलता है, जिन बातों से पता चलता है - जिन बातों से पता चलता है कि हवा है - उसको आप लोग ऐसे गोल घेरे में बैठ जायेंगे - और बातचीत कर करके लिखेंगे - कि आपको काहे काहे से पता चलता है। और पीछे वाले भी ऐसे गोल घेरा बनाकर लिखेंगे।

पाँचवी वाले, आप लोग बस में सफ़र करते हैं, मोटरसाईकल से करते हैं, टैम्पो में सफ़र करते हैं। आपको, चलता हुआ दिखाई देता है। क्या चलते दिखाई देते हैं?

শিক্ষার্থীসকল: পেড়

শিক্ষক: तो पेड़ ऐसे उल्टे चलते हुए क्यों दिखते हैं? यह आपको विचार करना है - और बातचीत करके लिखना है।

एक, दो, तीन, चार, पाँच। आप सभी पाँच - गोले में बैठ जायेंगे?

শিক্ষার্থী ১: ইসকা কারণ, कैसे चलती है - इसका कारण... क्या करेंगे?

শিক্ষার্থী ২: बस चलती है, तो फिर दिखाई देते हैं।

শিক্ষকৰ সাক্ষাৎকাৰ:

প্রথম কাম হ'ল দলটো কেনেদৰে গঠন কৰিব। একে সক্ষমতায়ুক্ত ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ মাজতো দলবোৰ গঠন কৰিব পাৰে। নহ'লে অতি সৰলভাৱেও কৰিব পাৰে। সৰল গোট মানে ওচৰা-ওচৰিকৈ বহি থকা সকলৰ মাজত এটা গোট বনাব পাৰে আৰু তেওঁলোকৰ মাজতে ক্ৰিয়া-কলাপবোৰ কৰিব। এইটো আটাইতকৈ উত্তম পদ্ধতি কাৰণ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলে তেওঁলোকৰ ওচৰৰটোক সহজে বুজি পায় আৰু সোনকালে বিষয়বোৰ আয়ত্ব কৰিব পাৰে।

তথাপিও সমস্যাটো হ'ল দুৰ্বল ছাত্ৰসকলে একেলগে কাম কৰিব নোৱাৰে। আৰু তেওঁলোকে ইজনে সিজনৰ বিকাশ সাধন কৰাটো অক্ষম।

শিক্ষক: यह इसमें चित्र दिए हुए हैं। दिख रहें हैं, सबको चित्र?

अब इसमें क्या करना है, जैसे यह मछली है - तो यह मछली पानी में रहती है, इसे लाईन से पकड़ कर खींच कर उसको पानी में लाना है।

मैं यह चार्ट दूँगा। आप लोग दो-दो, तीन-तीन भाई-बहन बैठ जायेंगे, ऐसे गोले में। तो सब देख देख कर काम करेंगे एक-दूसरे का।

तुम - दोनों बनाना, यह तुम दोनों बनाना, ऐसे खसक जाओ। शाब्बास!

শিক্ষার্থী ৩: यह पानी में रहता है।

শিক্ষার্থী ৪: केकडा भी पानी में रहता है।

শিক্ষার্থী ৫: ये भी।

শিক্ষার্থী ৬: कछुआ रे?

শিক্ষার্থী ৫: कछुआ नहीं।

কমেণ্টেৰী:

তেতিয়া শিক্ষকে চতুৰ্থ শ্ৰেণীটোৰ বাবে বায়ু নামৰ পাঠটোৰ দলীয় ক্ৰিয়া-কলাপ প্ৰস্তুত কৰে। এইবাৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলক বাহিৰত কাম কৰাৰ সুযোগ দিয়া হ'ব।

শিক্ষার্থী ৭: डूब ग...

শিক্ষার্থী ৮: और आवाज़ आती है।

শিক্ষার্থী ৯: ओय, टेढ़ी मत करना, टेढ़ी का नहीं बोला सर ने।

কমেণ্টেৰী:

চতুৰ্থ শ্ৰেণীটো বাহিৰলৈ যোৱাৰ লগে লগে কোঠাটোত পঞ্চম শ্ৰেণীৰ বাবে বেছি স্থান ওলায়। তেওঁলোকে

পড়া পাঠটো বতৰ আৰু জলবায়ুৰ ওপৰত।

শিক্ষক: সূৰ্য বনকৰ रहेगी। और आपको काम करना है, और आपको समझाना है इनको सब को। है ना?

और रात क्या हो जायेगी?

शिक्षार्थीसकल: बड़ी।

शिक्षक: बड़ी हो जायेगी। आ गई बात समझ में सबको? तो अब आप लोग करके बता सकते हैं गतिविधि? एक बार कोशिश करो आप लोग!

शिक्षार्थी १: रात छोटी हो गई और दिन बड़े हो गये हैं। दिन छोटे हो गए, रात बड़ी हो गई है।

कमेंटेबी:

শিক্ষকজনে সকলো দলৰ সৈতে কেনেদৰে কথা-বতৰা পাতিবলৈ সময়ৰ ব্যৱস্থা কৰিছে লক্ষ্য কৰক।

शिक्षार्थीसकल: नहीं भरा रहा है...

कुछ भी नहीं भरा रहा है, वह तो...

शिक्षक: चलो अच्छा, आप लोग...

शिक्षार्थीसकल: हमारा तो कुछ भी नहीं निकल रहा

शिक्षक: बोतल में पानी भरा है आपके?

शिक्षार्थीसकल: नहीं!

शिक्षक: अरे! क्यों नहीं भराया?

शिक्षार्थीसकल: भराया था पर निकल... वापस निकल गया।

शिक्षक: ऐसा उन्धा करोगे तो? अब डूबा कर देखो एक बार, भराता है कि नहीं भराता फिर से?

शिक्षार्थीसकल: बोतल उपर-उपर आ रही है।

शिक्षक: उपर आ रही है बोतल?

कमेंटेबी:

ছাত্রসকলক শিকাত সহযোগ কৰিবলৈ ছাত্র-ছাত্রীসকলে যি লক্ষ্য কৰিলে তাৰ আধাৰত বায়ুৰ গুণাগুণৰ ওপৰত শিক্ষকজনে প্রশ্ন সোধা কাৰ্য আৰম্ভ কৰে।

शिक्षक: पहले बोतल खाली थी कि भरी थी?

शिक्षार्थीसकल: खाली थी।

शिक्षक: तो खाली थी तो अब इसको निकाल कर एक बार फिर से करके देखो तो - क्या क्या हो रहा है उसमें?

शिक्षार्थी १०: यह... इसके अंदर हवा जा रही है उपर!

शिक्षक: वापस जा रही है उपर? अच्छा! और वापस से डूबा कर देखो तो अब पता चलेगा?

शिक्षार्थी १०: बाहर हवा निकल रही हैं।

शिक्षक: अच्छा! हवा निकल रही है? अच्छा! अब बताइए मुझे - कि इसमें क्या क्या है?

शिक्षार्थी: इधर पानी से भरा हुआ है और...

शिक्षक: हाँ, इसमें उपर-उपर क्या है?

शिक्षार्थीसकल: हवा!

शिक्षक: हवा भरी हुई है!

शिक्षार्थी: मैंने कर लिया।

शिक्षार्थी: मैंने भी कर लिया।

कमेन्टेबी:

शिक्षक प्रथम श्रेणी आबू द्वितीय श्रेणी दलब क्रिया-कलाप परीक्षा करे। तेउं पञ्चम श्रेणी छात्र-छात्रीक तेउंलोकब व्यावहारिक परीक्षाटो तृतीय आबू चतुर्थ श्रेणी आगत प्रदर्शन करिबलै दिये।

शिक्षक: आप बड़े बच्चे हैं, आप छोटे बच्चों को आसानी से समझा सकते हैं, चौथी वालों को। तो आपको उनको करके और यह समझाकर बताना है आपको। ठीक है?

शिक्षार्थी २: अभी सुबह हो रही है। इधर से प्रकाश आ रहा है। अभी दोपहर हो रही है। अभी शाम हो रही है।

शिक्षक साक्षात्कार:

छात्र-छात्रीसकले तेउंलोकब धारणासमूह इजने सिजनब आगत व्याख्या कबाटो बेछि भाल। सेइदरे तेउंलोक सहेजे शिके आबू बूजे।

कमेन्टेबी:

बह छात्र-छात्री थका एटा डाउब श्रेणीत दलीय कार्यब परिकल्पना आबू श्रेणीकोठाब व्यवस्थापना करबाब बाबे यत्नपब होबाटो प्रयोजनीय। छात्र-छात्रीसकले फलप्रसूताबे दलगत कार्य करबाब बाबे सहाय करिब पबाके आपुनि इयात कि लक्ष्य करिले?